an>

Title: Need to provide revival package to Triveni structurals Limited, Naini, Allahabad in Uttar Pradesh.

श्री रेवती रमन सिंह (इलाहाबाद) : सभापति महोदय, मैं इस सदन के समक्ष नैनी, इलाहाबाद में स्थित पब्लिक सेक्टर की एक कंपनी, त्रिवेणी स्ट्रक्चरल लिमिटेड के संबंध में कुछ कहना चाहता हूँ।

महोदय, यह देखा जा रहा है कि जितनी पब्लिक सेक्टर कंपनियां है, वे सभी धीरे-धीरे बंद होती जा रही है। यह टीएसएल कंपनी वर्ष 1965 में नैनी, इलाहाबाद में स्थापित की गयी थी। बड़े दुर्भाग्य की बात है कि उसमें पहले हजारों कर्मचारी काम करते थे, लेकिन धीरे-धीरे पूबंधतंत्र की गड़बड़ी की वजह से उसके तमाम कर्मचारियों ने वीआरएस ले लिया, तमाम कर्मचारी रिटायर हो गए और इसमें वर्तमान में केवल 300 कर्मचारी काम कर रहे हैं। उस कंपनी का रिवाइवल करने कि लिए दो करोड़ रूपए दिए जाने का प्रस्ताव आया है, लेकिन मुझे खेद है कि यह सरकार उसे रिवाइव नहीं करना चाहती है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूँ कि पहले जब एनडीए सरकार थी, उसने अलग से एक वीआरएस मंत्रालय बना रखा था, जिसके द्वारा प्राइवेट सेक्टर की कई कंपनियों को बंद कर दिया गया। अब यह यूपीए सरकार भी उसी रास्ते पर है। प्रधानमंत्री जी ने 8 मार्च को पीएसयूज की मीटिंग में कहा था :

> "I hope the Board for Reconstruction of PSEs will come forward with time-bound programme for revival of sick PSEs. It must help the Government take an early decision on all the pending proposals."

This was the Prime Minister's wording which I have quoted here. मैं कहना चाहता हूँ कि यह कंपनी फैब्रीकेशन की एक यूनिट है और इसने तंजानिया, जमानिया, ईराक आदि देशों में काम किया है। इंद्रप्रस्थ स्टेडियम में जब सभी पीएसयूज को बुलाया गया था, उसमें इस कंपनी को राष्ट्रीय गौरव की उपाधि दी गयी थी। BRPSE और DHI के इस प्रस्ताव कि इस कंपनी को रिवाइव किया जाए, के बाद भी इसे रिवाइव नहीं किया जा रहा है।[R38]

मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि वित्त मंत्रालय द्वारा मद्रास फर्टिलाइजर कम्पनी को 71 करोड़ रुपए रिवाइवल के लिए दिए जा रहे हैं, लेकिन मात्र दो करोड़ रुपए नैनी इलाहाबाद त्रिवेणी स्ट्रक्चरल लि. को नहीं दिए जा रहे हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहूंगा कि इस कम्पनी को तुंत दो करोड़ रुपए देकर इसे रिवाइव किया जाए।

श्री शैलेन्द्र कुमार : मैं अपने को रेवती रमण जी द्वारा उठाए गए इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।